जे एम डी पी एल महिला कॉलेज, मधुबनी.

कार्यक्रम का प्रतिवेदन

1	कार्यक्रम का नाम	**प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कैसे की जाय पर कार्यशाला**
2	आयोजन तिथि एवं स्थान	**31 जनवरी,2020 / कॉलेज का सभागार**
3	श्रोत व्यक्ति का नाम एवं पद	**श्री निरंजन कुमार,वि,प्र.से.,प्रखंड विकास पदाधिकारी,रहिका मधुबनी**
4	संरक्षण	**डॉ. उदय नारायण तिवारी,प्रधानाचार्य.**
5	अध्यक्षता	**डॉ. लाल बाबू साह, राजनीति विज्ञान विभाग**
6	प्रतिभागियों की संख्यां	**1. छात्राएं: 30** **2. प्राध्यापक: 08**
7	**कार्यक्रम का विवरण** सर्वप्रथम श्रोत व्यक्ति **श्री निरंजन कुमार,वि,प्र.से., प्रखंड विकास पदाधिकारी,रहिका मधुबनी को डॉ. चन्द्रगुप्त कुमार शर्मा, (प्राध्यापक,AIH), डॉ अन्नपूर्णा कुमारी,**(प्राध्यापक,गृह विज्ञान विभाग),**डॉ. साध्वी कुमारी**, (प्राध्यापक,जंतु विज्ञान विभाग,) **डॉ. विनय कुमार दास** (प्राध्यापक, राजनीति विज्ञान विभाग सह Coordinator, IQAC) **डॉ. किरण कुमारी झा,**(प्राध्यापक रसायन विभाग) ने औपचारिक अभिनन्दन किया और बुके (फूलों का गुच्छ) के साथ उनका स्वागत किया. प्रधानाचार्य कक्ष में कुछ अनौपचारिक शैक्षणिक बात-चीत के बाद **श्री निरंजन कुमार** को सभा कक्ष में आमंत्रित किया गया. जहाँ छात्राओं ने ताली बजा कर स्वागत किया. दीप प्रज्वलित करने की परिपाटी का निर्वहन किया गया. फिर **श्री निरंजन कुमार** का संबोधन शुरू हुआ. मंच से **श्री निरंजन कुमार** ने छात्राओं और प्राध्यापकों / प्रध्यिपकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज की परीक्षा नीति Scientific Technology पर आधारित हो गयी है, इसलिए सबसे पहले छात्रों / छात्राओं को Black Board पर समझाते हुए कहा कि सफलता के मुख्य सूत्र क्या है? अपनी बातों को जारी रखते हुए उन्होंने बोर्ड पर लिखा '**आत्म विश्वास, लक्ष्य,परिश्रम, मार्ग दर्शन, और संसाधन**' आगे उन्होंने कहा कि उपरोक्त बातों पर छात्र अडिग रहे तो पैसों की उसे बहुत आवश्यकता नहीं खलेगी.	

अपनी बातों को आगे बढ़ाते हुए श्री कुमार ने कहा कि **आज -कल व्यावहारिक जीवन से जुड़े प्रश्न पूछने का रिवाज बढ़ रहा है. जैसे यह नहीं पुछा जाता है कि कंप्यूटर कैसे काम करता है वल्कि कंप्यूटर से लाभ हानि की बात पूछी जा रही है. वैसे ही जलवायु परिवर्तन, लघु-कुटीर उद्योग, मनरेगा, कृषि, सरकारी योजनाओं आदि जैसे आम जीवन से संबंधित प्रश्न पूछे जा रहे है. इसलिए हमारे पढने का ट्रेंड इस प्रकार ही होने चाहिए.** इसके अतिरिक्त एक पत्रिका और अखबार और को भी नियमित पढ़ा जाना चाहिए और आवश्यक तथ्यों का एक छोटा सा नोट बनाना चाहिए ताकि जरुरत पर देख कर याद किया जा सके. समय-समय पर आपस में चर्चा तथ्यों पर चर्चा करेते रहना चाहिए.

Current Affairs पर बात को आगे बढ़ाते हुए श्री **निरंजन कुमार** ने कहा कि आज इन्टरनेट के माध्यम से Current Affairs पर पहुँच आसन हो गयी है. आज के वैज्ञानिक युग में लगभग सभी छात्रों के पास स्मार्ट फोन इन्टरनेट सुविधा के साथ रहता है. ज्ञान प्राप्त करने के क्षेत्र में यह एक क्रातिकारी कदम हो सकता है यदि इसका सदुपयोग किया जाय.

इस बीच एक छात्रा **मोहिनी कर्ण** ने प्रश्न किया कि पढाई कितनी देर करनी चाहिए? इस प्रश्न का

जबाब देते हुए कहा कि कम से कम ८ घंटे की पढाई की जानी चाहिए लेकिन शर्त यह है कि पढाई का सिलसिला नियमित चलता रहे और systematic रहे. किसी तरह का भटकाव घटक हो सकता है.

एक अन्य छात्रा **मिनाक्षी** ने प्रश्न किया कि क्या नोट बनाना जरुरी है? जबाब देते हुए श्री निरंजन कुमार ने कहा कि अपनी पढाई के क्रम में आवश्यक तथ्यों का नोट बनाया जाना चाहिए. लेकिन नोट

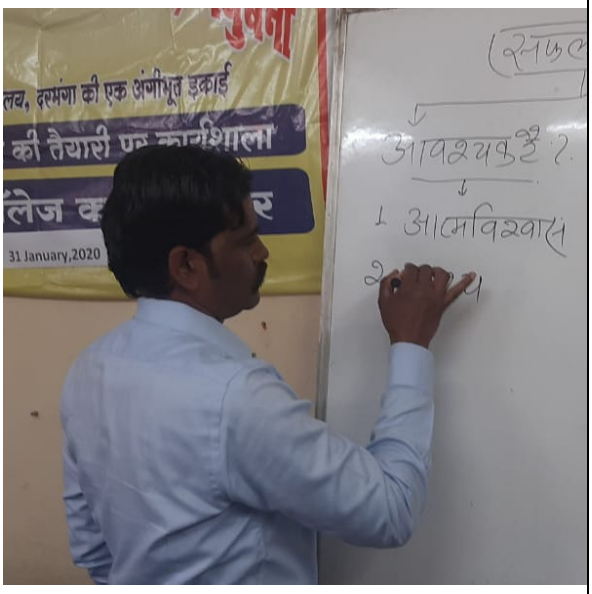

ज्यादा बड़ा नहीं होना चाहिए ताकि कम समय में उसे देख कर याद किया जा सके. अपनी बातों को आगे बढ़ाते हुए **श्री कुमार** ने कहा कि बहुत किताबों को पढने की भी जरुरत नहीं है. कम ही किताब पढ़े लेकिन वह किताब आधिकारिक होना चाहिए.NCERT की किताबें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए आवश्यक है? यह प्रश्न मिनाक्षी ने पुछा तो श्रोत व्यक्ति **श्री निरंजन कुमार** ने कहा कि NCERT की किताबें अच्छी होती हैं उसे जरुर पढना चाहिए लेकिन पढने के साथ-साथ लिखने का भी अभ्यास करना चाहिए. इससे भाषा पर पकड़ बनेगी. पत्रिका के लिए उन्होंने सुझाव दिया कि **योजना, कुरुक्षेत्र और Chronicle पढना चाहिए और संसद** टीवी चैनल देखना चाहिए. अंत में श्री निरंजन कुमार द्वारा

सफलता के कुछ टिप्स दिए गए जो इस प्रकार है- अपनी रूचि को समझें – रुचि से आशय आपके कार्यक्षेत्र से है. **लक्ष्य निर्धारित करें, खुद को अपडेट रखें,परीक्षा प्रारूप को समझें,अच्छी रणनीति बनाएँ, नोट्स जरूर बनाएँ,डिजिटल लर्निंग.आत्मविश्वास, टाइम टेबल बनाएं आप सब लोगों ने यह बात तो सुनी होगी कि जितने भी महान व्यक्ति अभी तक बने हैं वह टाइम टेबल जरूर पालते थे, बीच-बीच में ब्रेक लेकर पढ़ाई करें, पढाई के लिए एकांत और शांत जगह, अच्छा मार्ग दर्शक बनावें.**

इस सभा को **डॉ.अन्नपूर्णा कुमारी** (अध्यक्ष, गृह विज्ञान) ने भी प्रतिभागियों को लक्ष्य निरधारित कर निष्ठां पूर्वक प्रयास करते रहने की सलाह दी.अंत में अध्यक्षीय भाषण देते हुए **डॉ. लाल बाबू साह ने कहा** कि यदि निष्ठा रहेगी तो सफलता निश्चित मिलेगी. प्रशासनिक सेवा प्राप्त करना कठिन जरुर लगता है लेकिन सतत प्रयास सफलता की सीढ़ी खुद-बी- खुद बना देता है. डॉ. लाल ने इसी कॉलेज की कई छात्राओं का उदहारण दिया जो प्रयत्नशील है- कुछ ने सफलता प्राप्त कर ली हैं और कुछ प्रयासरत है.आज के समय में लडकियां अपेक्षाकृत ज्यादा सफल हो रही है. तुम भी सफल हो सकती हो यदि तुहारी सोच की साथ-साथ अपना प्रयास जारी रखो और अपना motivation बरक़रार रखो. तुम्हारी सफलता से हमें भी हमें भी गर्व होगा.

(डॉ. विनय कुमार दास)
IQAC Coordinator

(डॉ. लाल बाबू साह)
अध्यक्ष